'जेंडर सेंसटाइजेशन के मसले पर आगे आने की जरूरत'

नई दिल्ली (एसएनबी)। देश में जेंडर सेंसटाइजेशन के लिए सभी को मिलकर आगे आना होगा और इस मुद्दे को हल करना होगा। इसमें समाज और सरकारी एजेंसियां दोनों की भागीदारी जरूरी है। इस मुद्दे का हल यदि स्कूल स्तर पर शुरू किया जाए तो बेहतर होगा। केंद्रीय विद्यालय संगठन द्वारा गैंगरेप के बाद स्कूलों में बदलाव के उद्देश्य से जेंडर सेंसटाइजेशन अभियान के तहत स्कूल प्रधानाचार्यों के लिए आयोजित कार्यशाला में संगठन के आयुक्त अविनाश दीक्षित ने यह विचार रखे।

दीक्षित ने कहा कि जेंडर सेंसटाइजेशन के मामले में शिक्षकों की अहम भूमिका होगी क्योंकि वह सोच को बदलने में सक्षम होते हैं। सबको सम्मान देने और भेदभाव न करने की शिक्षा स्कूल से बेहतर और कहीं नहीं मिल सकती। देश में 22 फीसद जनसंख्या 10 से 19 वर्ष की है जो सशक्त मानव संसाधन है। उन्होंने कहा कि यह जरूरी है कि किशोरों की ऊर्जा को संरचनात्मक क्षेत्र में लगाया जाए। किशोरावस्था काफी तरह के बदलाव से भरी होती है। इस आयु में उन्हें सही दिशा दी जानी चाहिए। खासतौर पर महिलाओं और छात्राओं के प्रति उनमें सम्मान और सहयोग का भाव पैदा किया जा सकता है।

▶ केंद्रीय विद्यालय संगठन ने गैंगरेप के बाद स्कूलों में बदलाव के उद्देश्य से चलाया जेंडर सेंसटाइजेशन अभियान

▶ केवीएस ने स्कूल प्रधानाचार्यों के लिए आयोजित किया वर्कशॉप

केंद्रीय विद्यालय संगठन में करीब 1090 स्कूल हैं और इनमें 10.5 लाख विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। इनमें 55 हजार शिक्षक व अन्य कर्मचारी शामिल हैं। इसके चलते इतने सारे लोगों की सुरक्षा केवीएस के लिए महत्वपूर्ण है। इसी को ध्यान में रखते हुए केवीएस ने यह अभियान शुरू किया है।

प्रधानाचार्यों की कार्यशाला के बाद शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जाएगा। इसके बाद स्कूलों में विद्यार्थियों को जागरूक किया जाएगा। केंद्रीय विद्यालय संगठन के उपायुक्त एसके वर्मा ने बताया कि स्कूलों में बच्चों के बीच जेंडर सेंसटाइजेशन करने के लिए पाठ्येत्तर गतिविधियां कराई जाएंगीं जिसमें नाटक, काउंसलिंग आदि शामिल होगा। बच्चों को समझाया जाएगा कि स्कूल के बाहर किसी अनजान व्यक्ति से किस तरह पेश आना है। किन लोगों से दूर रहना है। किस परिस्थिति के साथ कैसे निपटना है। इसके अलावा मनोवैज्ञानिकों को भी बुलाया जाएगा। बच्चों की समस्याओं को भी सुना जाएगा और उसका हल किया जाएगा। बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ाया जाएगा।